काशी वचन

नीकी लागी अनाकनी, फीकी परी गोहारि। तज्यो मनो तारन बिरद, बारक बारनि तारि।।-बिहारी

वाराणसी ।सोमवार ●28 फरवरी ●2011

मस्ती के पलों को याद कर लगाये ठहाके

संयोग : सम्मानित हुए आईटी के पुरातन छात्र । फोटो : एसएनबी

वाराणसी (एसएनबी)। बीएचयू स्वतंत्रता भवन का सभागार रविवार को भूली बिसरी यादों को समर्पित रहा। अवसर था 70 बैच के प्रौद्योगिकी संस्थान के पुरातन छात्र समागम का जो टेक्नो रीयूनियन में शिरकत करने 42 वर्ष बाद महामना के आंगन में पहुंचे। पुराने दोस्तों का मेल-मुलाकात तो गाहे बगाहे होता ही रहा पर ज्यादा खुशी एक साथ पुनः परिसर में मिलने की थी।

पुरनियों ने हास्टल में बिताये दिनों को याद किया तो अपने समय के मेस महराजों की भी खोज खबर ली। किसी का कष्ट जान कर जहां दिल का दर्द ओह.. की आवाज में दिखा तो वहीं प्रगति के लिए वाह.. की आवाजे भी निकलीं। पुरनियों ने न सिर्फ परिसर के चाय-पान की दुकानों पर पूर्व मे बितायें मस्ती के पलों को ताजा किया बल्कि परिसर स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन भी किया। मस्ती के इन पलों में जहां जोरदार ठहाके लगे वहीं पलके भी नम हुई। छात्र जीवन से उबरे तो कैरियर सवारने में जुट गए। भागम-भाग में इतने व्यस्त हुए कि ठहरने का मौका नहीं मिला। जीवन के तीसरे पड़ाव की तरफ बढ़े तो कैरियर व परिवार की जिम्मेदारियां लगभग पूरी हो चुकी थीं। इस पड़ाव से आगे का सफर तय करने से पहले पुरनिये पीछे बिताये जीवन को पुनः याद करने के लिए देश विदेश से एकत्र हुए आज उनके बीच नहीं रहे साथियों व गुरुजनों को याद कर आंसू बहाये तो वहीं परिसर में मौजूद गुरुजनों से आर्शीवाद भी लिया। सीरेमिक, केमिकल तथा फार्मास्युटिकल के 40 पुरातन छात्र परिसर व शहर का भ्रमण कर रहे हैं। पुरनियों ने प्रो. आर एन पाण्डेय, प्रो. बीएन सिंह, प्रो. वाई बी उपाध्याय, प्रो. सीबी प्रकाश, प्रो. उमाशंकर, प्रो. एके वाही, प्रो.आरएस शर्मा, प्रो. एस एन उपाध्याय तथा पी मिश्रा के साथ ही 15 शिक्षकों को सम्मानित कर स्वयं गौरवान्वित हुए। इस अवसर पर पुरातन छात्रों में प्रो.एलसी सिंह, प्रो. के नारायणन, जे सिंह, जे गांगुली, जे सर्राफ, बी बरुआ, डीसी जैन, डीके भवानी, के ए शाह, डीके शाह तथा एसके मोदी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन इजीनियरिंग विभाग के प्रो. पीके मिश्रा ने किया।

> ▶ **खुशी थी एक साथ मिलने की**
>
> ▶ **बीएचयू प्रौद्योगिकी संस्थान का पुरातन छात्र सम्मेलन**